



## प्रेस विज्ञप्ति

### आईआईटी भुवनेश्वर ने स्टील और मिश्रित संरचनाओं में अग्नि सुरक्षा पर अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया

**भुवनेश्वर, 18 सितंबर 2025:** स्कूल ऑफ इंफ्रास्ट्रक्चर, आईआईटी भुवनेश्वर ने ओडिशा राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (ओएसडीएमए) के सहयोग से, 17 सितंबर 2025 को स्टील और समग्र संरचनाओं में अग्नि सुरक्षा पर विशेष ध्यान देने के साथ, अग्नि-प्रेरित थर्मो-मैकेनिकल लोडिंग के तहत पतली दीवार वाली स्टील संरचनाओं के संरचनात्मक अस्थिरता विश्लेषण पर एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला का सफलतापूर्वक आयोजन किया। इस कार्यक्रम को भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के शैक्षणिक और अनुसंधान सहयोग (एसपीएआरसी) को बढ़ावा देने की योजना के तहत समर्थित किया गया था।

कार्यशाला में अग्रणी विशेषज्ञों, सरकारी अधिकारियों, उद्योग पेशेवरों और छात्रों को अग्नि-सुरक्षित संरचनात्मक डिजाइन में चुनौतियों और प्रगति पर विचार-विमर्श करने के लिए एक साथ लाया गया।

ओएसडीएमए के कार्यकारी निदेशक डॉ. कमल लोचन मिश्रा (आईएएस) इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। अपने संबोधन में, उन्होंने आपदा प्रबंधन पद्धतियों के साथ शैक्षणिक ज्ञान को एकीकृत करने के महत्व पर जोर दिया और कहा कि सामुदायिक सुरक्षा और लचीलापन बढ़ाने के लिए तकनीकी विशेषज्ञता अत्यंत महत्वपूर्ण है।

मिशिगन स्टेट यूनिवर्सिटी, अमेरिका के विशिष्ट प्रोफेसर, प्रो. वेंकटेश कोडुर ने मुख्य व्याख्यान दिए। 9/11 के हमलों के दौरान वर्ल्ड ट्रेड सेंटर के ढहने की जाँच करने वाली विशेषज्ञ टीम के सदस्य के रूप में अपने अनुभव से, उन्होंने आग के दौरान संरचनात्मक स्थिरता, उन्नत डिजाइन पद्धतियों और बेहतर अग्नि प्रतिरोध के लिए मिश्रित निर्माण में नवाचारों पर अपनी अंतर्दृष्टि साझा की। उन्होंने अग्नि सुरक्षा अनुसंधान में भविष्य की दिशाओं पर एक पैनल चर्चा का भी नेतृत्व किया।

अन्य प्रतिष्ठित वक्ताओं में प्रोफेसर गौरव श्रीवास्तव (आईआईटी गांधीनगर) शामिल थे, जिन्होंने अग्निरोधी संरचनात्मक डिजाइन पर चर्चा की; प्रोफेसर एम.जेड. नासर (क्लेम्सन विश्वविद्यालय, यूएसए) ने संरचनाओं की अग्नि प्रतिक्रिया की भविष्यवाणी करने में मशीन लर्निंग के उपयोग

पर प्रकाश डाला; और डॉ. अनिल अग्रवाल (आईआईटी हैदराबाद) ने अग्नि प्रदर्शन के लिए मजबूत समग्र कनेक्शन डिजाइन करने पर प्रस्तुति दी।

इस कार्यक्रम में ओएसडीएमए, ओडिशा औद्योगिक अवसंरचना विकास निगम, लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) ओडिशा, राइट्स, एआईएमआईएल लिमिटेड के साथ-साथ आईआईटी भुवनेश्वर और ओयूटीआर भुवनेश्वर के संकाय, शोधकर्ताओं और छात्रों की सक्रिय भागीदारी देखी गई।

ये चर्चाएँ सामग्री की शक्ति में गिरावट, स्थिरता की चुनौतियों और अग्नि प्रतिरोधकता के लिए शोध-आधारित डिजाइन दिशानिर्देशों पर केंद्रित थीं। समापन सत्र में सभी विशेषज्ञों और प्रतिभागियों के योगदान की सराहना की गई और कार्यशाला को अग्नि सुरक्षा इंजीनियरिंग और आपदा तैयारी को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया गया।

-----